B-I
L-14
Indian Geography

प्रायद्वीपीय नदियाँ

छोटी नदी →

- **सुवर्ण रेखा** → स्वर्ण निक्षेप प्राप्त होते हैं।

  स्त्रोत - छोटा नागपुर पठार (रांची पठार)

  औद्योगिक नदी है - जमशेदपुर इस्पात संयंत्र को जलापूर्ति

वैतर्णी → गढ़जात की पहाड़ी

ब्राह्मणी → कोयल व शंख नदी के मिलने से उत्पत्ति,

उद्गम सुवर्ण रेखा के समीप

⇒ वैतर्णी और ब्राह्मणी अन्त में मिल जाती हैं।

महानदी →

- मध्य प्रदेश के रायपुर जिले की दक्षकारन्य पहाड़ियों के सिहवा नामक स्थल से उद्गम
- 858 Km. लम्बी
- छत्तीसगढ़ द्रोणी में उत्तर दिशा में बहती है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

इसे धान का कटोरा कहा जाता है।

- उड़ीसा में प्रवेश के बाद उत्तर दिशा में बहती है और इस पर हीराकुण्ड बाँध (सम्भलपुर के पास) है।

- बायीं ओर की सहायक नदियाँ - हसदेव, शिवनाथ, माण्ड, इब -

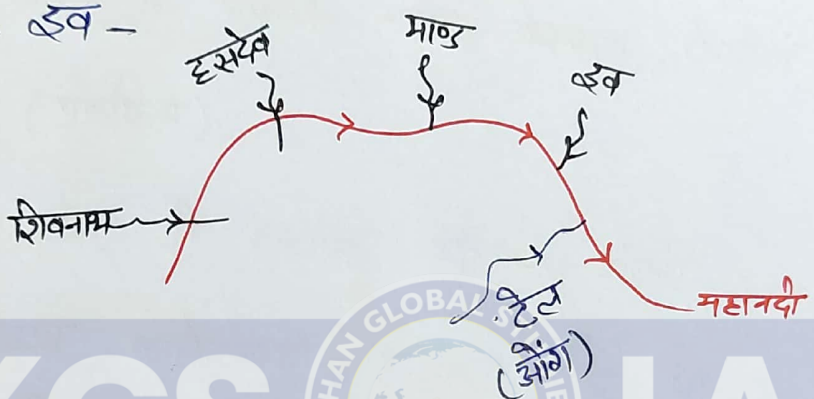

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

ऋषिकुल्या →

चिल्का झील के दक्षिण में ऋषिकुल्या नामक नदी पूर्वी घाट के नियागढ़ पर्वत से उत्पन्न होकर बंगाल की खाड़ी में बहती है, इसके मुहाने पर ओलिव रिडले टर्टल (कछुआ) अण्डा देने आता है।

Scanned by CamScanner

गोदावरी →

- प्रायद्वीपीय भारत की सबसे बड़ी नदी है।
- इसे वृद्ध या दक्षिणी गंगा भी कहा जाता है।
- यह त्रयंम्बकेश्वर से प्रारम्भ होती है और गौतमी व वशिष्ठ गोदावरी नाम की वितरिकाओं में बँट जाती है।
- बायीं ओर की सहायक नदी - पेनगंगा, वेनगंगा और वर्धा (प्राणहिता)
- दायीं ओर की सहायक नदी - मंजरा
- कुलाबरम, कालेश्वरम, इन्द्रावती और सिलेरू परियोजना स्थित है।
- लम्बाई - 1465।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

कृष्णा नदी →

- नागार्जुन सागर (देश का सबसे बड़ा बाँध)
- सहायक नदी - मूसी
- प्रायद्वीपीय भारत में प्रवाहित होने वाली दूसरी सबसे बड़ी नदी
- लम्बाई - 1400 Km.
- तुंगभद्रा कृष्णा की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

Scanned by CamScanner

- पश्चिमी घाट में छोटी-छोटी नदियों के जुड़ने से भीम व तुंगभद्रा जैसी सहायक नदियों के साथ महाबलेश्वर से उद्गम करते हुए लगभग 1400 किलो मीटर दक्षिण-पूर्व दिशा में प्रवाहित होकर बंगाल की खाड़ी में अपना मुँहाना बनाती है।

- सहायक नदी मूसी पर उस्मान सागर और हुसैन सागर झील पायी जाती है।

कावेरी नदी →

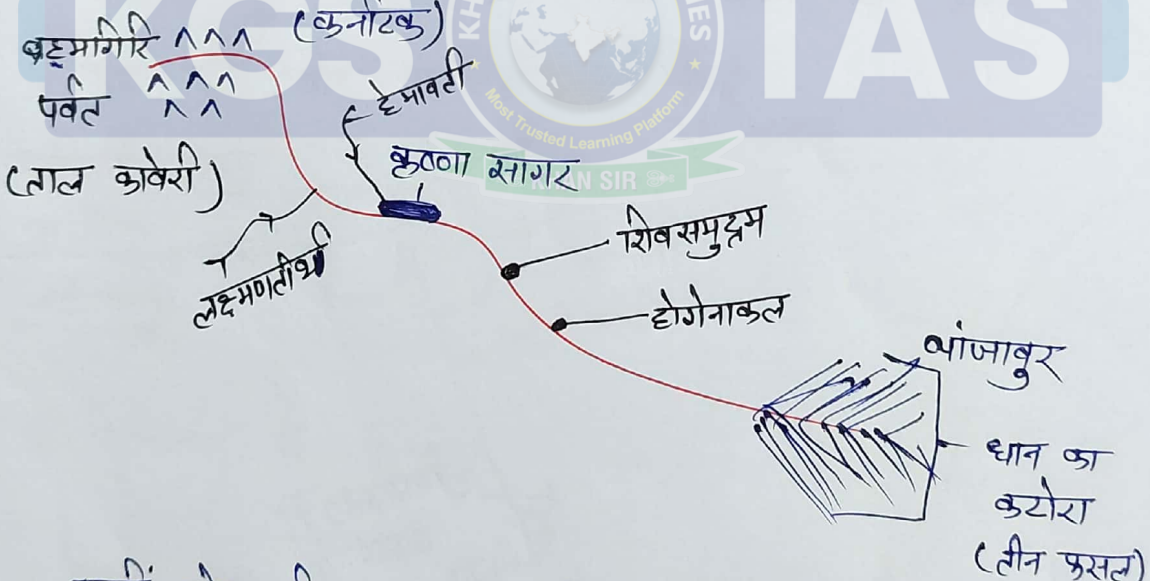

बायीं ओर की सहायक नदी- हेमावती, शिमसा, अर्कावती।

दायीं ओर की सहायक नदी- भवानी, नोयल, अमरावती काविनी।

Scanned by CamScanner

पेन्नार →

- उद्गम कोलार जिला (कर्नाटक) से
- मुख्य सहायक नदी - चित्रावती, पापाग्नि।

ताम्रपर्णी →

- उद्गम - पश्चिमी घाट के अगस्त्यमलय ढाल से
- कुल लंबाई - 120 किलोमीटर।

वैगई नदी →

- वरुसानाडु पर्वत (पलनी की पहाड़ी) से उद्गम
- पूर्व की ओर प्रवाहित होती है।

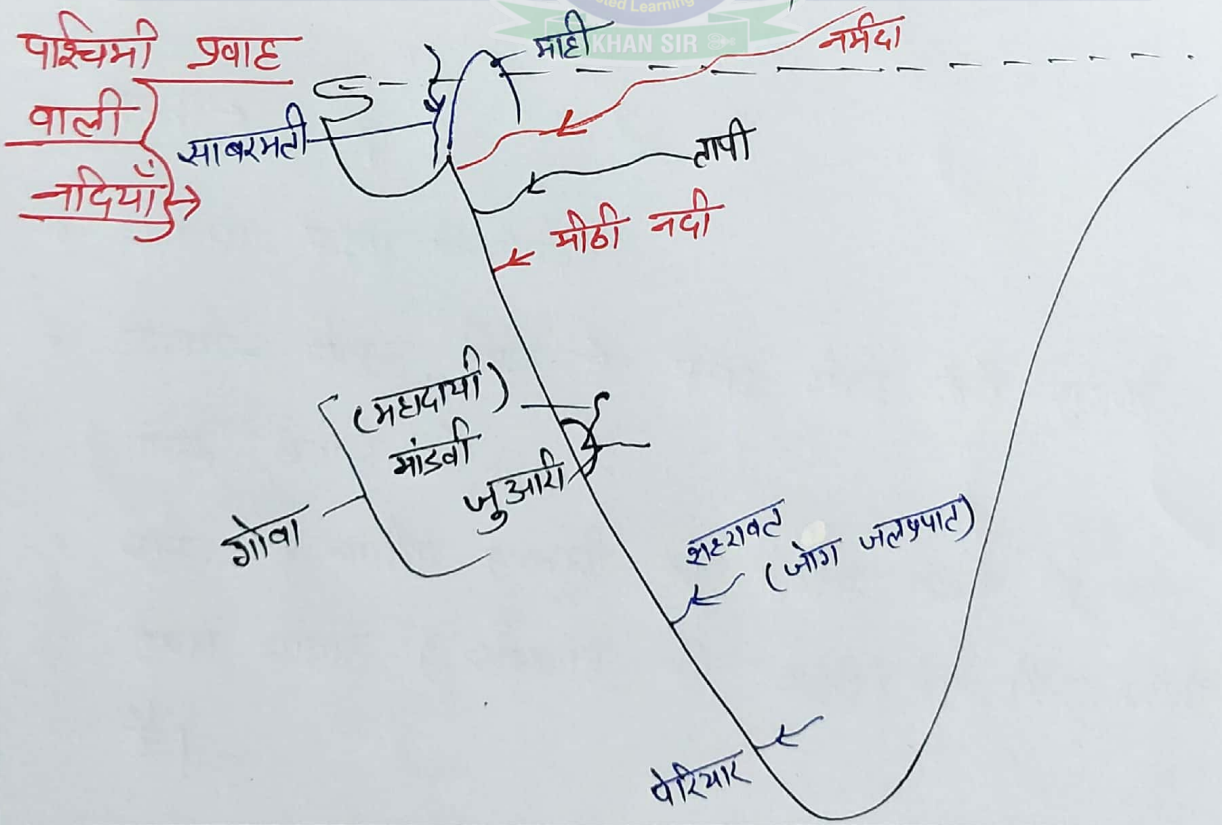

Scanned by CamScanner

नर्मदा →

- उद्गम - मैकाल पर्वत की (1,057 मीटर ऊँची चोटी) अमरकंटक चोटी से।
- पश्चिमी प्रवाह वाली नदियों में नर्मदा सबसे बड़ी नदी है।
- कपिलधारा जलप्रपात, जिसे धुआंधार जलप्रपात कहते हैं।
- विंध्य और सतपुड़ा के बीच भ्रंश घाटी में प्रवाहित।
- कुल लंबाई 1312 किलोमीटर
- सहायक नदियाँ - शेर, हिरन, छोटी तवा, तवा, शक्कर, गंवाल, बंजर।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

ताप्ती →

- लगभग 724 किलोमीटर
- उद्गम - बेतूल जिले के 792 मीटर ऊँचे मुल्ताई नामक स्थल से।
- सूरत के समीप एस्चुरी का निर्माण करने के बाद अरब सागर (खम्भात की खाड़ी) में गिर जाती है।

Scanned by CamScanner